

मुख्यमंत्री ने किया निवेश मित्र-3.0 का शुभारंभ, बोले- उद्यमी अर्थव्यवस्था की रीढ़ और उनकी सुरक्षा-सम्मान सरकार की प्राथमिकता यूपी सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बना: योगी

संबोधन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा है कि दुनिया के कई हिस्सों में जारी अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता और अव्यवस्था के बीच भारत और खासकर उत्तर प्रदेश आज निवेश व व्यापार के लिए एक सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद वातावरण के रूप में उभरकर सामने आया है।

लोक भवन में आयोजित समारोह में उन्होंने सिंगल विंडो सिस्टम निवेश मित्र 3.0 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 45 कंपनियों को 2,781.12 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि वितरित करने के साथ ही 62 कंपनियों को लेटर आफ कंफर्ट (एलओसी) प्रदान किए। इनसे प्रदेश में 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और 50 हजार युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। एलिजबिलिटी सर्टिफिकेट के आधार पर आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की चार परियोजनाओं को 73 करोड़ रुपये और फूड प्रोसेसिंग की 10 परियोजनाओं को 20 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिया गया। मुख्यमंत्री ने समारोह में कहा कि बीते नौ वर्षों में उत्तर



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोक भवन में कंपनियों को प्रोत्साहन राशि और लेटर ऑफ कंफर्ट प्रदान किए।

निवेशकों की पहली पसंद बना उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। खासकर फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में, जहां 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि के बावजूद 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन के साथ अब वैल्यू एडिशन और रोजगार पर फोकस है।

प्रदेश ने पारदर्शी नीतियों, सख्त कानून-व्यवस्था और उद्योग-अनुकूल माहौल के जरिए अपनी पहचान को पूरी तरह बदला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और मजबूत

सरकार ने निवेशक अनुकूल माहौल लागू किया: केशव

उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार पर निवेशकों द्वारा जताया गया विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी है। जय सरकार ने नीतिगत सुधार, पारदर्शिता और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया है।

करते हुए धारा-80 के तहत लैंड यूज की जटिल प्रक्रिया को समाप्त कर दिया गया है। निवेश मित्र 3.0 में 43 से अधिक विभागों की 530 सेवाओं को सरल बनाकर 200 से कम सेवाओं में

50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले: नंदी

औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि हमारी सरकार की नीतियों व नियत के फलस्वरूप यूपी में निवेश का माहौल है, जिसके फलस्वरूप 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। निवेश मित्र उत्तर प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का स्वर्णिम शिलालेख है।

समेकित किया गया है। मुख्यमंत्री ने निजी बिजनेस पार्क नीति-2025 का अनावरण भी किया। कहा कि इसके तहत अब कोई भी निवेशक बिजनेस पार्क विकसित कर सकेगा।

इन क्षेत्रों में जारी हुए एलओसी

- उप औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति (आईआईईपीपी-2022) के तहत 59 एलओसी। प्रस्तावित निवेश ₹40,531 करोड़ रुपये।
- फूड प्रोसेसिंग नीति 2023 के तहत 10 एलओसी। प्रस्तावित निवेश ₹38.64 करोड़ रुपये।
- इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति 2020 के तहत चार एलओसी। प्रस्तावित निवेश ₹1,859.17 करोड़ रुपये।
- एफडीआई नीति 2023 के तहत 12 पात्रता प्रमाण पत्र जारी। प्रस्तावित निवेश ₹7,635 करोड़ रुपये।

कंपनी की क्षमता नहीं तो करार निरस्त होगा : सीएम

लखनऊ। प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को बढ़ावा देने के लिए पुच एआई और इन्वेस्ट यूपी के बीच हुए एमओयू पर सवाल उठने पर मुख्यमंत्री योगी ने गंभीरता से लिया है। पुच एआई ने इन्वेस्ट यूपी के साथ प्रदेश में एआई पार्कों के विकास के लिए 25 हजार करोड़ रुपये का एमओयू किया है।

उन्होंने कहा कि हस्ताक्षरित समझौता जापन विस्तृत जांच-पड़ताल और परियोजना मूल्यांकन से पहले का प्रारंभिक कदम है। शर्तों को पूरा न

करने वाले किसी भी संभावित निवेशक का समझौता जापन स्वतः ही रद्द कर दिया जाएगा। सोशल मीडिया पर पुच एआई को हैसियत व अनुभव को लेकर सवाल उठाए गए हैं। इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरन आनन्द का कहना है कि अभी कोई अप्रुवल नहीं हुआ है। वहाँ पुच एआई के कोफाउंडर सिद्धार्थ भाटिया ने अपना पक्ष रखा है। कहा है कि उनकी कंपनी का टर्नओवर अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसे लेकर धामक तथ्य प्रसारित किए जा रहे हैं।